

## मूंग खरीदी की घोषणा होते ही पूर्व विधायक ने खत्म किया बेगियादी धरना, निकाला जुलूस

गाडरवारा, देशबन्ध। पूर्व विधायक सुनीता पटेल के नेतृत्व में चल रहे अनिश्चितकालीन धरने के पांचवें दिन शनिवार को मुख्यमंत्री द्वारा 19 जून से किसानों की उपज मूँग और उड़द के पंजीयन तिथि की घोषणा होने के बाद समाप्त किया गया। किसानों की मूँग की उपज समर्थन मूल्य पर खरीदी को लेकर उत्तर उत्तर उत्तराखण्ड के नेताओं द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया।

पूर्व विधायक सुनीता पटेल ने समाप्त के अवसर पर कहा कि किसानों ने कांग्रेस जूनों ने एवं आम लोगों ने समर्थन मूल्य पर मूँग की खरीदी करने की जो लड़ाई लड़ी और धरना प्रदर्शन किये इसके साथ ही मेरे द्वारा दिए गए अनिश्चितकालीन धरने को समर्थन और सहयोग किया। सभी लोगों की एकजुटता के कारण भाषा सरकार को कांग्रेस को दिल में फैसला लेना पड़ा। सुनीता पटेल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री की घोषणा पर धन्यवाद ज्ञापित करते ही किसान हितैषी नियर्य किया।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि यह घोषणा और पहले हो जाती तो जिन किसानों ने मजबूरी में मूँग बेच दी उन्हें भी फायदा हो जाता। उन्होंने कहा कि बड़े अफसोस कि बात रही कि मुख्यमंत्री के आगमन पर क्षेत्र के

जनप्रतिनिधियों ने किसान हित की बात उनके समाने नहीं रखी थी।

अनिश्चितकालीन धरना समाप्त के मौके पर पूर्व विधायक दिमोले, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नंदेंद्र राजपूत, शैलेन दीवान, जिला किसान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष पटेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जिनेश जेन, दिग्विजय सिंह, छोटे राजा कौरव, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अधिकारी

पटेल, कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संगीत जायसवाल, कांग्रेस नेता अशोक कांग्रेस, सुरेंद्र पटेल मझले भैया, शिवेंद्र कुमार नीखरा, राजीव दुबे, मुकेश गुप्ता बांटु, भानु दीक्षित, उमा गुप्ता, सीतीश सैनी, प्रकाश चौरसेया, अवरेश रूसिया, राव सुरेंद्र सिंह, मनीष भंडवारा, राजदीप दुबे, रतनदीप जायसवाल, हरिमिह अहिरवार, एडवोकेट संयवरी, मनीष कौरव सुनील दुबे सहित कांग्रेस मोर्चा संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

धरना स्थल से सभी लोग जुलूस की शक्ति में राती तिथे पर स्थित श्री हुमान मंदिर पहुंचे और पूजा अच्छाने कर धरने का समाप्त किया। कांग्रेस के महामंत्री सीतीश सैनी ने सभी के प्रति आभार जाता।

## सांदीपनि विद्यालय में शिक्षक उज्ज्वलीकरण प्रशिक्षण

नरसिंहपुर, देशबन्ध। मध्यप्रदेश शासन शिक्षा विभाग की समय सारणी अनुसार सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर में प्रवेश प्रक्रिया संचालित है जिसकी जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से जनसामाज्य को प्रसारित की गई है। नौ जून से शिक्षक उज्ज्वलीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

प्रथम दिवस में संस्था प्राचार्य प्रभात कुमार मिश्रा ने भोपाल से अकादमिक प्रशिक्षण प्राप्त कर स्कूल लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम के सभी आयामों के बारे में शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया।

द्वितीय दिवस प्राथमिक विभाग से महबूब अहमद अंसारी ने अपने अधिकारी साझा किए तृतीय दिवस माध्यमिक विभाग की प्रधान पाठक माध्यमिक गर्ग ने प्रश्न उत्तर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया।

इस प्रशिक्षण में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने पूर्ण मनोरोग के साथ, सभा में आशेष पटेल, सुरेन्द्र पटेल,



कृष्ण कुमार शर्मा, दुर्गा प्रसाद धुर्वें ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। 16 जून से विधिवत कक्षाओं का संचालन प्रारंभ हो जायेगा जिसके लिए समस्त विद्यालय परिवार पूर्ण मनोरोग से तैयार है और प्रशिक्षण में बाताई गई यू.एच.व्ही., आनंदसाहा, उमंग, आधा-फुल, मानसिक स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण दिया जायेगा।

इस प्रशिक्षण में विद्यालय के कक्षाओं का संचालन बदला गया।

मिशन नींव 2025 के अंतर्गत दिया गया प्रशिक्षण

नरसिंहपुर, देशबन्ध। मिशन नींव 2025 के अंतर्गत जिला पंचायत सभाकक्ष नरसिंहपुर में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। मास्टर ट्रेनर द्वारा मिशन नींव 2025 के तृतीय जन्म से 6 वर्ष तक के बच्चों को अलग-अलग के लिए निर्धारित आधारशिला, 3 से 6 वर्ष के लिए एवं नवजन्म अंतांत जन्म से 3 वर्ष तक के बच्चों को निर्धारित कोर्स और विभिन्न प्रकार की निर्धारित विधियों के संबंध में प्रशिक्षण दिया जायेगा।

जन्म से 6 वर्ष तक के बच्चों को पोषण एवं पानी के बाबत अनुपात एवं उसके महत्वात उसके जीवन में योगदान के विषय में बताया गया।

प्रशिक्षण में प्राप्त तकनीक का प्रयोग वापस आगनबाड़ी केंद्र पर जाकर प्रतिदिन प्रत्येक बच्चों के साथ किया जाना है। यह कार्य अंगनबाड़ी कार्यकर्ता के सहयोग एवं कार्यकर्ताओं के समूहों द्वारा किया गया। जिला कार्यकर्ता अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने प्रत्येक कार्यकर्ता से अंतर्गत ग्राम चिनकी के श्री राम आरण्यक में संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी के पश्चात एक पेड़ मां के नाम अधियान के तहत संयुक्त रूप से पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण का संरक्षण दिया।

इसके अलावा प्रशिक्षण में प्राप्त तकनीक को आगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा उपयोग करने और इसे निरीक्षण सूची में शामिल करने के लिए दिये। प्रशिक्षण के दौरान समस्त परियोजना अधिकारी, समस्त संकर

सुपरवाईजर एवं ब्लॉक समन्वयक पोषण अधियान मौजूद थे।

ग्राम चिनकी में जल व पर्यावरण संरक्षण पर संगोष्ठी आयोजित

नरसिंहपुर देशबन्ध। जल गंगा संवर्धन अधियान के तहत जल व पर्यावरण संरक्षण पर मप्र जनसंघ परिषद नरसिंहपुर के तत्वावादी निवासियों में यह कार्य 10 दिवस में पूर्ण की जायेगी उल्लंघनीय है कि जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत समाजादिक स्थलों पर एकत्रित करने की साफ- सफाई की जा रही है। इसका उद्देश्य जिले में साक्षरता दर को बढ़ाना है। विकासरबंध सह समन्वयक अवधारणा राजीविया ने साक्षरता का परिचय दिया गया। जिला सह समन्वयक अवधारणा राजीविया ने साक्षरता का परिचय दिया और अपने सुझाव साझा किये।

### साक्षरता प्रशिक्षण सम्पन्न

नरसिंहपुर देशबन्ध। जिला स्तरीय उल्लास नव भारत साक्षरता के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण जनपद शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर में सम्पन्न हुआ। इसका उद्देश्य जिले में साक्षरता दर को बढ़ाना है। विकासरबंध सह समन्वयक अवधारणा राजीविया ने साक्षरता का परिचय दिया गया। जिला सह समन्वयक अवधारणा राजीविया ने साक्षरता का परिचय दिया और अपने सुझाव साझा किये।



ही जल बचाना होगा। अनेक वाले समय में बरसात के दिनों में हम सभी को जल का संरक्षण करना होगा। जल संरक्षण के माध्यम से सभी को पानी उपलब्ध होगा और भू- जल स्तर में सुधार होगा।

इस तकनीक के लिए जिला पंचायत विभाग ने जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया है। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया जायेगा। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया जायेगा। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया जायेगा। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया जायेगा। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया जायेगा। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया जायेगा। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया जायेगा। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया जायेगा। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया जायेगा। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया जायेगा। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया जायेगा। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया जायेगा। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के लिए एक विशेष विभाग बनाया जायेगा। यह विभाग जिले के लिए एक विशेष विभाग है।

जल संरक्षण के